उत्तराखंड में चीनी बगुला

चर्चा में क्यों?

हाल ही में आमतौर पर पूर्वोत्तर राज्यों, राजस्थान और भूटान में पाया जाने वाले पक्षी **चाइनीज़ पॉन्ड हेरॉन** को पहली बार उत्तराखंड में देखा गया है।

मुख्य बिंदु:

- विशेषज्ञों के मुताबिक, उत्तराखंड में चाइनीज़ पॉन्ड हेरॉन के अस्तित्व का कोई रिकॉर्ड नहीं था।
  - पहली बार इस पक्षी ने प्रजनन के लिये **लैंसडाउन वन प्रभाग के कोटद्वार क्षेत्र** को चुना है।
- गर्मियों के दौरान कोटद्वार और लैंसडाउन वन प्रभाग के सनेह क्षेत्र के घने वनों में कई प्रवासी पक्षी दिखाई देते हैं।
  - **पूर्वोत्तर राज्यों से पक्षियों का यहाँ आगमन/प्रवासन** इस बात का संकेत है कि यहाँ का परिवेश उनके लिये अनुकूल है।

चाइनीज़ पॉन्ड हेरॉन (Chinese Pond Heron)

- चाइनीज़ पॉन्ड हेरॉन (*Ardeola bacchus*) बगुला कुल का एक **पूर्वी एशियाई अलवण जलीय पक्षी** है।
  - यह पक्षियों की छह प्रजातियों में से एक है जिन्हें "पॉन्ड हेरॉन अर्थात् तालाब के बगुलों" (*genus Ardeola*) के नाम से जाना जाता है।
- यह आमतौर पर **47 cm** (19 इंच) लंबा होता है, इसके **सफेद पंख, पीले रंग की चोंच व काले सिर, पीली आँखें और पैर** होते हैं।
  - **प्रजनन काल के दौरान इसका समग्र रंग लाल, नीला और सफेद** होता है तथा अन्य समय में भूरा-भूरा एवं सफेद रंग का होता है।
- यह **उथले अलवण जल** और **खारे जल वाले आर्द्रभूमि तालाबों में** पाया जाता है।
- यह काफी सामान्य है और IUCN रेड लिस्ट द्वारा इसे **कम चिंतनीय (LC)** प्रजाति माना जाता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/chinese-heron-sighted-in-uttarakhand